



Mr. Gudiya

23 Sep 2025

09:58 AM

Jaipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 119783702

लिंग _____: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि _____: 23/09/2025
दिन _____: मंगलवार
जन्म समय _____: 09:58:00 घंटे
इष्ट _____: 09:15:45 घटी
स्थान _____: Jaipur
राज्य _____: Rajasthan
देश _____: India

अक्षांश _____: 26:53:00 उत्तर
रेखांश _____: 75:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:26:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 09:31:20 घंटे
वेलान्तर _____: 00:07:37 घंटे
साम्पातिक काल _____: 09:40:27 घंटे
सूर्योदय _____: 06:15:42 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:21:51 घंटे
दिनमान _____: 12:06:10 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: शरद
सूर्य के अंश _____: 06:11:48 कन्या
लग्न के अंश _____: 24:15:22 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: तुला - शुक्र
राशि-स्वामी _____: कन्या - बुध
नक्षत्र-चरण _____: हस्त - 4
नक्षत्र स्वामी _____: चन्द्र
योग _____: ब्रह्म
करण _____: बालव
गण _____: देव
योनि _____: महिष
नाड़ी _____: आद्य
वर्ण _____: वैश्य
वश्य _____: मानव
वर्ग _____: श्वान
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: भूमि
जन्म नामाक्षर _____: ठ-ठुमकी
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: तुला

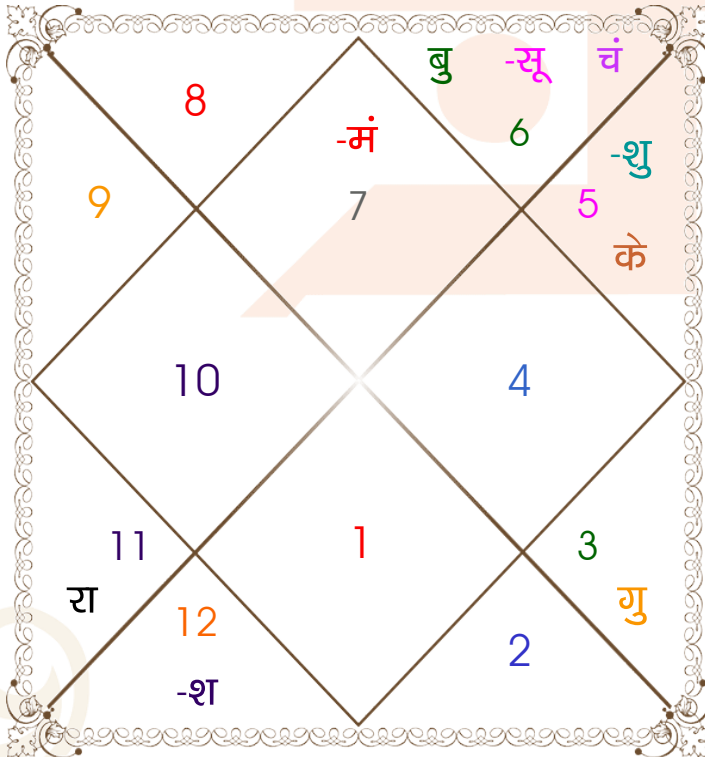
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	24:15:22	310:31:27	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
सूर्य			कन्या	06:11:48	00:58:45	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	सम राशि
चंद्र			कन्या	21:28:00	12:07:19	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			तुला	06:21:31	00:40:22	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	सम राशि
बुध		अ	कन्या	14:06:31	01:42:26	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	उच्च राशि
गुरु			मिथु	27:13:21	00:08:23	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	10:15:27	01:13:29	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	04:08:28	00:04:39	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		कुंभ	24:08:13	00:01:11	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	24:08:13	00:01:11	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	07:07:33	00:00:51	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	---
नेप	व		मीन	06:32:59	00:01:40	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो	व		मक	07:15:05	00:00:34	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			कर्क	28:32:57	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शनि	--

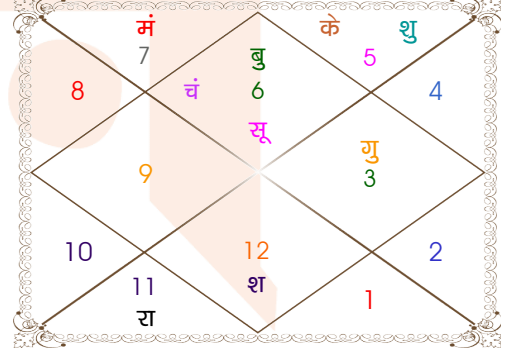
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:03

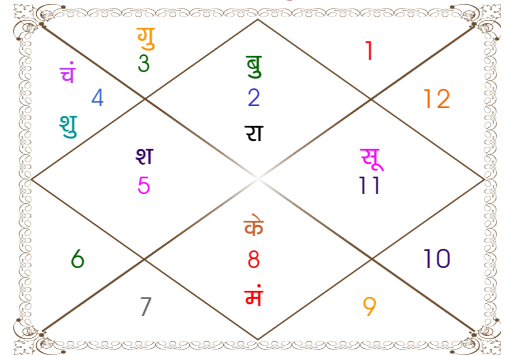
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 1 वर्ष 4 मास 24 दिन

चंद्र 10 वर्ष 23/09/2025 16/02/2027	मंगल 7 वर्ष 16/02/2027 16/02/2034	राहु 18 वर्ष 16/02/2034 17/02/2052	गुरु 16 वर्ष 17/02/2052 17/02/2068	शनि 19 वर्ष 17/02/2068 16/02/2087
00/00/0000	मंगल 15/07/2027	राहु 29/10/2036	गुरु 06/04/2054	शनि 19/02/2071
00/00/0000	राहु 02/08/2028	गुरु 25/03/2039	शनि 17/10/2056	बुध 29/10/2073
00/00/0000	गुरु 09/07/2029	शनि 29/01/2042	बुध 23/01/2059	केतु 08/12/2074
00/00/0000	शनि 18/08/2030	बुध 17/08/2044	केतु 30/12/2059	शुक्र 07/02/2078
00/00/0000	बुध 15/08/2031	केतु 05/09/2045	शुक्र 30/08/2062	सूर्य 20/01/2079
00/00/0000	केतु 11/01/2032	शुक्र 04/09/2048	सूर्य 18/06/2063	चंद्र 20/08/2080
23/09/2025	शुक्र 12/03/2033	सूर्य 30/07/2049	चंद्र 17/10/2064	मंगल 29/09/2081
शुक्र 18/08/2026	सूर्य 18/07/2033	चंद्र 29/01/2051	मंगल 23/09/2065	राहु 05/08/2084
सूर्य 16/02/2027	चंद्र 16/02/2034	मंगल 17/02/2052	राहु 17/02/2068	गुरु 16/02/2087
बुध 17 वर्ष 16/02/2087 18/02/2104	केतु 7 वर्ष 18/02/2104 17/02/2111	शुक्र 20 वर्ष 17/02/2111 17/02/2131	सूर्य 6 वर्ष 17/02/2131 17/02/2137	चंद्र 10 वर्ष 17/02/2137 00/00/0000
बुध 15/07/2089	केतु 16/07/2104	शुक्र 19/06/2114	सूर्य 07/06/2131	चंद्र 18/12/2137
केतु 12/07/2090	शुक्र 15/09/2105	सूर्य 19/06/2115	चंद्र 06/12/2131	मंगल 19/07/2138
शुक्र 12/05/2093	सूर्य 21/01/2106	चंद्र 17/02/2117	मंगल 12/04/2132	राहु 18/01/2140
सूर्य 18/03/2094	चंद्र 22/08/2106	मंगल 19/04/2118	राहु 07/03/2133	गुरु 19/05/2141
चंद्र 18/08/2095	मंगल 18/01/2107	राहु 19/04/2121	गुरु 24/12/2133	शनि 18/12/2142
मंगल 14/08/2096	राहु 05/02/2108	गुरु 19/12/2123	शनि 06/12/2134	बुध 19/05/2144
राहु 04/03/2099	गुरु 11/01/2109	शनि 17/02/2127	बुध 13/10/2135	केतु 18/12/2144
गुरु 09/06/2101	शनि 20/02/2110	बुध 18/12/2129	केतु 18/02/2136	शुक्र 24/09/2145
शनि 18/02/2104	बुध 17/02/2111	केतु 17/02/2131	शुक्र 17/02/2137	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशों के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 1 वर्ष 4 मा 27 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काणा उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त महिला हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरुद्धता नहीं चाहती। आप अपनी महत्वाकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्ज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगी। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करती हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करती हो। आप सदैव अन्यो के प्रति इर्ष्या रखती हों तथा अपनी संपत्ति उपार्जन के लिए सदैव प्रेरित रहती हो। आपकी शक्ति अन्यो की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि की हैं तथा आपकी संलग्नता उज्ज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगी। इस प्रकार आप अपनी क्षतिग्रस्त राह को पुनर्निर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकती हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपनी लाभ जनक प्रवृत्ति में वृद्धि करेंगी।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपने पति के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपने जीवन संगी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकती हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकती हैं।

आपके विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपके वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकती हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकती हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के

संबंध अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

